

1 बस वाले 7 ज़िल्हज्जाह को मीना ले जाते हैं	2 7 ज़िल हज्ज को गुस्ल करे या वजू करे	3 मीना को जाने से पहले हज का एहराम अपने होटल से या हराम जा कर बांधलें
4 टोपी पहन कर एहराम की 2 रकात नफल नमाज पढ़ें	5 नमाज के बाद टोपी उतार कर हज की नियत करें	6 3 बार तलबिया पढ़ें, मर्द बुलंद आवाज़ से, औरते आहिस्ता आवाज़ से
7 अब आप पर एहराम का बंधन शुरू हो गया	8 8 ज़िलहज्जा को ज़ोहर से पहले तक मीना पहुँच जाएँ	9 मीना को जाते हुए रास्ते में खूब तलबिया पढ़ें
10 मीना में ज़ोहर असर मगरिब और ईशा पढ़लें	11 मक्का में अगर आप को रहते हुए 15 दिन या ज्यादा हो गए तो आप मक्का में मुकीम शूमर होंगे इसीलिये मीना, अराफात, मुजदलिफा में भी 4 रकात वली फर्ज को 4 पढ़ें वॉर्ना 2 रकात पढ़ें	
12 8 ज़िल्हज्जाह को मीना में तमाम रात क्रियाम करें, अगर बस वाले रात में ही अराफात ले जाए तो चले जाएँ	13 हज का पहला दिन (8 ज़िल्हज्जाह) पूरा होगया	14 9 को फजर पढ़ कर अराफात जाएं या 8 को रात में बस वाले के साथ अराफात चले जाएं
15 अराफत में मस्जिद ए निमरा में मौका मिले तो जौहर, असर (Qasr ya itmam ke Hisab se) एक साथ वहां के इमाम के पीछे पढ़िए वरना अपने टेंट में जौहर के वक्त में जहर और असर के वक्त में असर पढ़ें		16 असर की नमाज के बाद सूरज डूबने तक खड़े होकर दुआ करें
17 जब सूरज घुसूब होजाये तो मगरिब की नमाज पढ़ें बघेर अराफात से मुजदलिफा के लिए निकल जाएं	18 मुजदलिफा जिस वक्त भी पाहुंचे वहीं मगरिब और ईशा एक के बाद दूसरी नमाज पढ़ें	19 मुजदलिफा में 70 कांकरी चुन कर साफ करके अपने पास रखें
20 9 की रात मुजदलिफा में सोजाएं, आप का हज का दूसरा दिन मुकम्मल होगया	21 9 की रात बड़ी फजीलत वाली है इस्लिये मुजदलिफा में तहजुद की नमाज पढ़ कर दुआ करने की कोशिश करें	22 हज के तीसरे दिन यानि 10 ज़िलहज्जा की सुबह की नमाज़ मुजदलिफा में पढ़ कर सूरज निकलने तक दुआ में लग जायें
23 सूरज निकल के बाद मीना जाए	24 जमरत जा कर बड़े शैतान को 7 कांकरी मारे	25 बड़े शैतान को कांकरी मारने के बाद हज की कुर्बानी करें या करवाएं
26 कुर्बानी होने के बाद हलक करें, औरते 1 इंच बाल काट लें	27 एहराम खोल दें और मौका हो तो गुस्ल करके आम ड्रेस पहन लें	28 मस्जिद ए हराम जाए और तवाफ ए जियारत करे
29 तवाफ़ ए ज़ियारत के बाद 2 रकात वाजिबुत तवाफ़ अदा करे	30 तवाफ की 2 रकत के बाद ज़मज़म पीएं और सई करें	31 मीना वापस आजायें मक्का में न रहें
32 हज का तीसरा दिन यानी 10 ज़िल्हज्जाह मुकम्मल होगया	33 हज के चौथे दिन आप मीना से ज़वल के बाद जमरत जाए और तीनों शैतान को 7,7,7 कांकरी मार कर वापस मीना आजायें	34 अगर अभी तक आप ने तवाफ ए जियारत न किया हो तो तवाफ और सई करके वापस मीना आजायें
35 हज का चौथा दिन 11 ज़िलहज्जाह मुकम्मल होगया	36 हज के पांचवे दिन आप मीना से ज़वल के बाद तीनों श्यातानो को कंकर मारने जाए और अगर अभी तक आप ने तवाफ ए जियारत ना किया हो तो आज घूरोब से पहले कार्लेन और मीना वापस आना चाहें तो अजयेन वर्ना मक्का में रहें	
37 आप का हज पूरा हो गया	38 अगर हज के पंचवे दिन आप मीना में हैं और अगले दिन (13 ज़िल्हज्जाह) की सुबह होगी तो ज़वल के बाद तीनों श्यातानो को कांकर मार कर मक्का चले जाए	
39 आप का हज पूरा हो गया और 13 कि रमी की सुन्नत भी अदा हो गई	40 मक्का से जब मदीना या इंडिया वापस होने का इरादा हो तो अलविदा तवाफ जरूर करें	इन 40 चीजों में कुछ फ़र्ज हैं कुछ वाजिब और सुन्नत हैं